

नीलाराम बनाम गोविन्दसहाय

तकाला एवं आर्चाई निषेधाज्ञा का वाद पेश किया गया। मूल वाद के निस्तारण तक अपाधी गण को किसी भी प्रकार की दखलंदाजी न करने, राजस्व रिकॉर्ड एवं मौक की यथास्थिति बनाये रखने हेतु आर्चाई निषेधाज्ञा से प्रतिक्रियित किया जाना न्यायोचित है। अतः अपाधी का प्रार्थना पत्र आर्चाई निषेधाज्ञा स्वीकार किया जाता है तथा अपाधी गण को मूल वाद के निस्तारण तक इस आशय से आर्चाई निषेधाज्ञा से प्रतिक्रियित किया जाता है कि ग्राम कालोता तहसील खण्डल जिला-डोसा में स्थित कृषि भूमि खसरा नम्बर 756 रकबा 0.77 हे० भूमि में किसी भी प्रकार की दखलंदाजी राजस्व रिकॉर्ड एवं मौक की यथास्थिति बनाये रखे। निर्णय मेरे द्वारा लिखवाया जाकर सुनाया गया प्रकरण के सल सुमार होकर नम्बर से कम हो तथा वाद तकमिल प्रविष्ट लेख भण्डार हो एवं मूल वाद के संलग्न हो।



उपखण्ड अधिकारी
सैथल